

माधव राष्ट्रीय उद्यान

स्रोत: द हिंदू

मध्य प्रदेश (MP) के चंबल क्षेत्र में स्थित माधव राष्ट्रीय उद्यान को भारत का 58वाँ बाघ अभयारण्य (MP का 9वाँ [बाघ अभयारण्य](#)) घोषित किया गया है। वर्तमान में इस अभयारण्य में 5 बाघ हैं।

माधव राष्ट्रीय उद्यान

- शिवपुरी ज़िले में स्थित यह राष्ट्रीय उद्यान ऊपरी [वर्धिया पहाड़ियों](#) का हिस्सा है और ऐतिहासिक रूप से मुगल सम्राटों व ग्वालियर के महाराजाओं का शिकार क्षेत्र रहा है।
- इसे वर्ष 1959 में [राष्ट्रीय उद्यान](#) घोषित किया गया था।
- इस उद्यान में झीले, शुष्क पर्णपाती व काँटेदार वन सहित समृद्ध पारस्थितिकी तंत्र है, जहाँ बाघ, तेंदुआ, नीलगाय, चकिया, चौसगा और विभिन्न प्रकार के हरिण पाए जाते हैं।
- यह भारत के 32 प्रमुख बाघ कॉरिडोर में शामिल है, इसे [वन्यजीव \(संरक्षण\) अधिनियम, 1972](#) के तहत [बाघ संरक्षण योजना](#) के माध्यम से संचालित किया जाता है।
- वर्ष 2022 तक भारत में बाघों की अनुमानित संख्या 3167 से 3925 के बीच थी, जो वार्षिक 6.1% की दर से बढ़ रही है, वर्तमान में भारत विश्व के 75% बाघों का निवास स्थल है।

बाघ

रॉयल बंगाल टाइगर (*Panthera Tigris*) भारत का राष्ट्रीय पशु है।

बाघ की उप प्रजातियाँ

- * महाद्वीपीय (पैंथेरा टाइग्रिस टाइग्रिस)
- * सुंडा (पैंथेरा टाइग्रिस सोन्डाइका)

प्राकृतिक अधिवास

उष्णकटिबंधीय वर्षावन,
सदाबहार वन,
समशीतोष्ण वन, मैंग्रोव
दलदल, घास के
मैदान और सवाना



देश जहाँ बाघ पाए जाते हैं

- 13 बाघ रेंज देश जहाँ यह प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं उनमें- भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्याँमार, रूस, चीन, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं।
- IUCN की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम में बाघ विलुप्त हो गए हैं।

संरक्षण की स्थिति

- IUCN रेड लिस्ट: लुप्तप्राय
- CITES: परिशिष्ट-I
- WPA 1972 : अनुसूची-I

संरक्षण संबंधी प्रयास

- इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (IBCA): बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जैगुआर और प्यूमा नामक सात बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिये (भारत द्वारा शुरू)
- Tx2 अभियान: WWF द्वारा आरंभ किया गया; 2022 तक बाघों की आबादी को दोगुना करने के लक्ष्य को इंगित करते हुए 'टाइगर टाइम्स 2' को संदर्भित करता था
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA): WPA, 1972 के तहत गठित
- प्रोजेक्ट टाइगर : 1973 में लॉन्च किया गया
- बाघों की गणना : प्रत्येक 5 वर्ष में

खतरे

- आवास विखंडन
- अवैध शिकार
- मानव-वन्यजीव संघर्ष

भारत में बाघ

- भारत में इनकी संख्या सबसे अधिक है
 - ◆ वर्ष 2022 तक, भारत में बाघों की संख्या 3167 थी
 - ◆ मध्य भारतीय उच्च भूमि और पूर्वी घाट में इनकी सबसे बड़ी आबादी पाई गई है
- टाइगर रिजर्व: भारत में अब 53 टाइगर रिजर्व हैं
 - ◆ नवीनतम टाइगर रिजर्व उत्तर प्रदेश का रानीपुर है
 - ◆ नागार्जुन सागर (आंध्र प्रदेश) सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है जबकि ओरंग (असम) सबसे छोटा (कोर क्षेत्र) है।



और पढ़ें... [प्रोजेक्ट टाइगर](#)